मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 112 ■ गुरुवार 9 जुलाई 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com FOLLOW US Google Play GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
फिल्म 'मिमी' के समय कृति सेनन ने एग्स फ्रीज कराए

चिखलोली डैम हुआ ओवरफ्लो

- अंबरनाथवासियों के लिए राहत की खबर
- डैम के पास पुलिस सुरक्षा बढ़ाई गई

अंबरनाथ. अंबरनाथवासियों के लिए ये राहत की खबर आई है. बुधवार सुबह से ही शहर पूर्व का चिखलोली डैम ओवर फ्लो हो गया है. इस वर्ष देरी से बरसात के शुरू होने के कारण चिखलोली डैम में केवल 7 प्रतिशत ही पानी रह गया था. आठ दिनों से हो रही लगातार बारिश के कारण ये डैम अब ओवरफ्लो हो गया है. जून में चिखलोली डैम में पानी नहीं होने के कारण शहर पूर्व के लगभग 50 हजार लोगों की चिंता बढ़ गई थी. चिखलोली डैम के ओवरफ्लो होने से सभी की चिंता दूर हो गई है. भविष्य में पानी कटौती का अनुमान लगाया जा रहा था. पानी कटौती शुरू भी हो गई थी. चिखलोली डैम के ओवरफ्लो होने के बाद लोगों ने यहां पर आकर पिकनिक मनाना शुरू हो जाता है. पिछले दिनों उल्हासनगर के एक युवक की डैम के पानी में डूबकर मौत हो गई थी. ऐसी घटना ना हो इसके लिए डैम के आसपास पुलिस का पहरा बढ़ा दिया गया है. पुलिस की तरफ से आह्वान किया गया है कि लोग चिखलोली डैम के आसपास नहाने या पिकनिक मनाने ना आए. मंगलवार सुबह में ये खबर आई थी कि चिखलोली डैम 75 प्रतिशत भर गया है. लेकिन लगातार हो रही जोरदार बारिश से ये डैम बुधवार सुबह में ओवर फ्लो हो गया है.

सिर्फ़ 11 घंटे में 106mm बारिश रिकॉर्ड

उल्हासनगर में सबसे ज़्यादा बारिश रिकॉर्ड

उल्हासनगर. मंगलवार को ठाणे ज़िले में बारिश ने सचमुच तबाही मचा दी, और उल्हासनगर सबसे ज़्यादा प्रभावित हुआ है। सिर्फ़ 11 घंटे में 106 mm बारिश रिकॉर्ड की गई, उल्हासनगर ठाणे ज़िले में सबसे ज़्यादा बारिश वाला शहर बन गया है। भारी बारिश के कारण कई निचले इलाकों में पानी भर गया, सड़कों पर पानी जमा होने से ट्रैफ़िक धीमा हो गया, जबकि लोगों को रोज़ाना के कामों में भी बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

जिला आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण की शाम 6 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, ठाणे ज़िले में 7 जुलाई को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे के बीच औसतन 70.75 mm बारिश हुई। हालांकि, उल्हासनगर में सबसे ज़्यादा 106 mm बारिश रिकॉर्ड की गई। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में नहरें लबालब भर गईं, और कुछ जगहों पर सड़कों पर पानी आने से वाहन चालकों को काफ़ी मेहनत करनी पड़ी। निचली बस्तियों में भी पानी जमा होने से लोगों में चिंता का माहौल बन गया।

इस बीच, मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भारी बारिश की चेतावनी दी, इसलिए प्रशासन ने इमरजेंसी सिस्टम को अलर्ट पर रखा। डिस्ट्रिक्ट डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने लोगों से अपील की है कि वे ज़रूरी काम के अलावा अपने घरों से बाहर न निकलें, पानी भरी सड़कों पर सफ़र करने से बचें और नदियों, झरनों और खतरनाक जगहों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

CHM कॉलेज के पास विशाल पेड़ गिरा

उल्हासनगर। उल्हासनगर रेलवे स्टेशन के पास रिक्शा स्टैंड के सामने डिवाइडर पर लगा वर्षों पुराना पेड़ बुधवार दोपहर को अचानक गिर गया। पेड़ गिरने से पास की दो-तीन दुकानों को क्षति होते होते बची लेकिन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। बिजली विभाग ने तुरंत ही बिजली बंद कर दी।

मनपा प्रशासन के डिजास्टर मैनेजमेंट विभाग, फायर ब्रिगेड और पुलिस प्रशासन तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया। वाहतूक आवाजाही भी ठप्प हो गई। पिछले एक सप्ताह से हो रही मूसलाधार बरसात के कारण शहर के कई पुराने विशाल पेड़ गिरे हैं। पेड़ को काटकर रास्ता साफ किया गया है। इस परिसर में हमेशा बरसात के दौरान बाढ़ की स्थिति रहती है। यहां नदी की सफाई न होने के कारण स्टेशन परिसर पानी में ही डूबा रहता है।

करंट लगने से कामगार की मौत

- कैम्प-5 गाऊन बाजार की घटना
- सीढ़ी चढ़ते समय लगा करंट

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 स्थित गाउन बाजार इलाके की अवतार गली में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया है जहां दुकान की सीढ़ी पर चढ़ते समय करंट लगने से सुजीत कुमार नामक एक युवा सिलाई कर्मचारी की मौत हो गई। इस घटना से पूरे इलाके में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुजीत कुमार गाऊन बाजार के एक कारखाने में सिलाई का काम करता था। मंगलवार दोपहर वह एक दुकान की सीढ़ी पर चढ़ रहा था, तभी अचानक उसे तेज बिजली का झटका लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय निवासी अखिल खान ने सुजीत को इलाज के लिए भगवानदास अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद उसे आगे के उपचार के लिए मध्यवर्ती अस्पताल भेज दिया। हालांकि, मध्यवर्ती अस्पताल के डॉक्टरों ने जांच के बाद सुजीत कुमार को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बारवी डैम का जलस्तर 45% के करीब

- एक ही दिन में 9 परसेंट की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

बदलापुर. जून का पूरा महीना लगभग सूखा रहने से ठाणे जिले में पानी की कमी का जो काला संकट छाया हुआ था, वह अब तेज़ी से दूर हो रहा है. जुलाई की शुरुआत से ही बारवी डैम इलाके में ज़ोरदार बारिश शुरू हो गई है. इसी वजह से बुधवार, 8 जुलाई को बारवी डैम में रिकॉर्ड पानी का स्टोरेज दर्ज किया गया. पिछले 24 घंटों में डैम इलाके में कुल 247.80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है और इस रिकॉर्ड बारिश की वजह से सिर्फ़ एक दिन में डैम का पानी का स्टोरेज लगभग 9 परसेंट बढ़ गया है.

इस साल शुरुआत में भारी बारिश की वजह से जून के आखिर तक डैम में पानी का स्टोरेज घटकर सिर्फ़ 21 परसेंट रह गया था. इसकी वजह से अंबरनाथ, कल्याण डोंबिवली, मीरा भयंदर, उल्हासनगर और ठाणे शहरों में पानी के संकट का बड़ा डर था. हालांकि, जुलाई के पहले हफ़्ते में बारिश ने ज़ोरदार वापसी की, जिससे डैम में सचमुच नई जान आ गई।

सीज़न की बारिश हज़ार के पार

- बुधवार को रिकॉर्ड की गई 247 .80 मिलीमीटर की भारी बारिश के साथ, इस सीज़न की कुल औसत बारिश एक हज़ार मिलीमीटर के आंकड़े को पार कर गई है, और अब यह 1025 .60 मिलीमीटर तक पहुंच गई है। पिछले साल के मुकाबले हालांकि डैम में पानी का बहाव अभी बहुत तेज़ है, लेकिन बारिश और पानी जमा होने के आंकड़े पिछले साल के मुकाबले अभी भी पीछे हैं। पिछले साल, इसी दिन (8 जुलाई, 2025) डैम में 69 .12 परसेंट (223 .21 मिलियन क्यूबिक मीटर) पानी जमा था और कुल 1517 .00 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी।
- हालांकि, जून महीने में सूखे की गंभीर स्थिति को देखते हुए, जुलाई के पहले हफ़्ते में ही डैम का 45 परसेंट के लेवल तक पहुंचना ठाणे ज़िले के लिए एक बड़ी और सुखद राहत मानी जा रही है। अगर बारिश की यही तेज़ी बनी रही, तो माना जा रहा है कि बारवी डैम जल्द ही ठीक-ठाक लेवल पर पहुंच जाएगा और पानी की कमी का खतरा हमेशा के लिए दूर हो जाएगा।

मंगलवार, 7 जुलाई को डैम में 35.87 परसेंट पानी था। लेकिन, बुधवार, 8 जुलाई को मिली जानकारी के मुताबिक, यह स्टोरेज 44.75 परसेंट तक पहुंच गया है। यानी, सिर्फ़ 24 घंटों में स्टोरेज में रिकॉर्ड 8.88 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। अभी, डैम का लाइव वॉटर स्टोरेज 151.64 मिलियन क्यूबिक मीटर तक पहुंच गया है, और वॉटर लेवल 63.80 मीटर तक पहुंच गया है। डैम का ओवरफ़्लो लेवल 72.60 मीटर है।

'साई सृष्टि' भवन के चौथे फ्लोर का स्लैब गिरा

- मचा हड़कंप, कोई जनहानि नहीं

उल्हासनगर. बुधवार को उल्हासनगर-3 स्थित धोखादायक इमारत 'साई सृष्टि' की चौथी मंजिल के स्लैब का कुछ हिस्सा गिर जाने की घटना से परिसर में हड़कंप मच गया. इमारत को पिछले दो वर्षों से खतरनाक घोषित कर खाली करा दिया गया था, लेकिन प्रशासन द्वारा इसे समय पर गिराने की कार्रवाई न करने के कारण यह हादसा हुआ. घटना की सूचना मिलते ही प्रभाग अधिकारी सहायक आयुक्त सलोनी निमकर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया. सुरक्षा उपाय के तौर पर प्रशासन ने इमारत की बिजली तुरंत काट दी है. साथ ही किसी भी खतरे से बचने के लिए इमारत के अंदर स्थित सभी दुकानों को तुरंत बंद करने के आदेश दिए गए हैं.

नगरसेवक रमेश म्हात्रे गिरफ्तार

कल्याण. डॉक्टरों से मारपीट के मामले में आखिरकार पुलिस ने नगरसेवक रमेश म्हात्रे को गिरफ्तार कर लिया गया है. डोंबिवली के शास्त्रीनगर अस्पताल में हुई डॉक्टर और महिला कर्मचारियों के साथ मारपीट के मामले में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद) के विधायक रोहित पवार ने बुधवार को अस्पताल के डॉक्टरों और महिलाकर्मियों से मुलाकात कर घटना की निंदा की, और कर्मचारियों के साथ हमदर्दी जताई। रोहित पवार ने फोन द्वारा डीसीपी अतुल झेंडे से संपर्क किया और चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर शाम तक आरोपी नगरसेवक और समर्थकों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राकांपा उग्र आंदोलन करेगी। पवार के साथ पार्टी के मुख्य प्रवक्ता महेश तपासे भी मौजूद थे।

डोंबिवली के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सों के साथ हुई मारपीट के विरोध में बुधवार को कल्याण-डोंबिवली के निजी डॉक्टरों की ओपीडी-आईपीडी सेवाएं बंद रहीं। इस आंदोलन में 'आईएमए'-'नीमा' और केम्पा संगठन के सभी निजी डॉक्टर शामिल थे।

पुलिस 90 दिनों बाद भी आरोपी पकड़ने में नाकाम

- सिमरन के माता-पिता लोटे की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अनशन पर बैठे

अंबरनाथ का चर्चित सिमरन पाटिल हत्याकांड

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम में 10 अप्रैल 2026 को सिमरन उमेश पाटिल का शव S3 पार्क होटल के रूम से पुलिस ने बरामद किया था. उसको आत्महत्या के लिए मजबूर करने के लिए भगवान लोटे पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है. आज 90 दिन बीत जाने के बाद भी अंबरनाथ पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है. उस पर हत्या की धाराएं लगाकर उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग सिमरन के पिता उमेश पाटिल एवं माता रजनी पाटिल ने करके वह आमरण अनशन पर बैठ गए हैं. माता-पिता ने पुलिस को एक निवेदन दिया है. जिसमें कहा गया है कि आरोपी भगवान लोटे ने सिमरन के साथ लैंगिक अत्याकार करके उसकी निर्मम हत्या की है. आरोपी पर गंभीर धाराएं पुलिस ने दर्ज नहीं किया है. भगवान ने अग्रिम जमानत मिलने के लिए सत्र न्यायालय में अर्जी दाखिल किया था. लेकिन सत्र न्यायालय ने 5.5.2026 को अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद आरोपी ने उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत मांगी है, जिसकी तारीख 9 जुलाई 2026 है. पुलिस ने उस पर हत्या का मामला दर्ज करके उसका पासपोर्ट जब्त किया जाए. गंभीर अपराध दर्ज करने के लिए शिकायतकर्ता उमेश पाटिल ने उच्च न्यायालय का सहारा लिया है. उनका ये भी आरोप है कि भगवान लोटे का चालक, उसकी पत्नी, परिवार के लोग उन्हें और उनके परिवार को धमकी दे रहे हैं. उमेश पाटिल ने ये भी बताया कि शहर पूर्व में हाल ही में एक हत्या हुई है, जिसके हत्यारे को पुलिस ने 2 घंटे में पकड़ा है. फिर भगवान लोटे के पुलिस क्यों गिरफ्तार नहीं कर रही है.

इस संबंध में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद ने पत्रकारों से कहा है कि भगवान लोटे फरार है. पुलिस उसे तलाश कर रही है. उमेश पाटिल ने पुलिस पर भी आरोप लगाए हैं कि भगवान लोटे हवाला रैकेट, मनी लांड्रिंग और अनधिकृत कॉल सेंटर बनाकर पर राष्ट्र के लोगों को फंसाता था. उसकी भी जांच करने की मांग की गई है. अंबरनाथ पुलिस सवालों के घेरे में आ गई है. इस केस को क्राइम ब्रांच के हवाले किया जाए और भगवान लोटे को फांसी की सजा देने की मांग पीड़ित परिवार ने की है.

उल्हास नदी में कूदकर महिला ने की आत्महत्या

बदलापुर. एक ओर जब नदी में बाढ़ आई हुई थी और प्रशासन लोगों को चेतावनी दे रहा था, वहीं बुधवार सुबह एक बहुत ही बुरी घटना हुई। बदलापुर में उल्हास नदी पर बने पुल से एक अनजान महिला ने सीधे बाढ़ के पानी में कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला को बचाने और उसकी तलाश करने की पूरी कोशिश की, लेकिन बाढ़ के पानी का बहाव बहुत तेज़ और तेज़ होने के कारण बचाव दल महिला को ढूंढ नहीं पाया।

बारिश के पानी की वजह से पुलिस के लिए महिला की पहचान करना मुश्किल हो गया है। जैसे ही उल्हास नदी चेतावनी के लेवल को पार करके खतरे के लेवल की ओर बढ़ी, नदी का बहाव बहुत तेज़ हो गया था। ऐसे समय में पुल पर और नदी के किनारे लोगों का आना-जाना बहुत खतरनाक हो सकता है।

ड्रेनेज प्रोजेक्ट के लिए रखे पाइप जले

- सरकारी फंड की सुरक्षा पर सवालिया निशान

उल्हासनगर. उल्हासनगर में उस समय हड़कंप मच गया जब सीवरेज डिपार्टमेंट द्वारा महाराष्ट्र अथॉरिटी के खाली प्लॉट पर नई ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए रखे गए पाइप उस जगह जले हुए पाए गए। हर कोई हैरान है कि इन पाइपों में आग कैसे लगी। यह भी कहा जा रहा है कि किसी ने जानबूझकर इन पाइपों में आग लगाई होगी।

उल्हासनगर के कुर्ला कैंप, शिव मंदिर रोड, कैंप नंबर 5 में सीवरेज डिपार्टमेंट द्वारा महाराष्ट्र अथॉरिटी के खाली प्लॉट पर नई ड्रेनेज लाइन बिछाने का काम चल रहा है। इस काम के लिए ज़रूरी बड़े साइज़ के पाइप संबंधित प्लॉट पर रखे गए थे। हालांकि, आज सुबह जब उस जगह का इंस्पेक्शन किया गया तो संबंधित पाइप पूरी तरह से जले हुए पाए गए। नियाज़ अंसारी और एडवोकेट प्रशांत चंदनशिव ने सिटी प्रोजेक्ट ऑफिसर पंकज जाधव को फोन पर इस घटना की जानकारी दी।

इस घटना ने सरकारी कामों में इस्तेमाल होने वाले मटीरियल की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हर जगह मांग है कि जांच होनी चाहिए कि पाइप में आग कैसे लगी, क्या यह कोई हादसा था या किसी ने जानबूझकर ऐसा किया। जो बड़ा पाइप जला था, वह DWC का था। इसे दो किलोमीटर लंबी ड्रेनेज लाइन बिछाने के लिए वहां लाया गया था। सरकारी पैसे से खरीदे गए सामान का इतना नुकसान होना चिंता की बात है और मांग की जा रही है कि संबंधित विभाग मामले की जांच करे और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सही कार्रवाई करे।

भारी बारिश से उल्हास नदी खतरे के निशान के ऊपर

3 लोगों की मौत

308 लोगों का रेस्क्यू

ठाणे. ठाणे जिले में पिछले एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश बुधवार को भी जारी रही। मंगलवार सुबह 8 बजे से बुधवार सुबह 8 बजे तक 24 घंटे में जिले में एवरेज 116.25 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे कुल एवरेज बारिश 970.13 मिलीमीटर हो गई।

लगातार हो रही इस बारिश की वजह से नदियों का पानी का लेवल काफी बढ़ गया है, और अंबरनाथ इलाके में उल्हास नदी दो जगहों पर खतरे के निशान को पार कर गई है। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं और एडमिनिस्ट्रेशन ने अलर्ट जारी रखा है। जबकि पिछले सात दिनों में 308 लोगों को निकाला गया है। जिला आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में मुरबाद में सबसे ज़्यादा 170 mm बारिश हुई, इसके बाद मीरा-भायंदर में 132 mm, अंबरनाथ में 120 mm, शहापुर में 118 mm, उल्हासनगर में 112 mm, कल्याण में 105 mm, ठाणे में 104 mm और भिवंडी में 69 mm बारिश हुई। इस बारिश की वजह से निचले इलाकों में पानी भर गया है, पेड़ उखड़ गए हैं और कुछ जगहों पर ट्रैफिक पर असर पड़ा है।

बारिश की वजह से ज़िले की नदियों में भी भारी बाढ़ आ गई है। अंबरनाथ के जम्भुलपाड़ा में उल्हास नदी का लेवल 14.80 m तक पहुँच गया है, जबकि बदलापुर में यह 17.70 m तक पहुँच गया है, जो खतरे के लेवल को पार कर गया है। मोहने में उल्हास नदी और टिटवाला में कालू नदी वॉर्निंग लेवल से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन इन इलाकों पर खास नज़र रख रहा है।

पिछले सात दिनों में लगातार बारिश की वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है और नौ दूसरे घायल हो गए हैं। इनमें पेड़ गिरना, बिल्डिंग का स्लैब गिरना, करंट लगना और डूबना शामिल हैं। इसके अलावा, भिवंडी से दो नाबालिगों की तलाश अभी भी जारी है और रेस्क्यू टीमें सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

बाढ़ और लैंडस्लाइड के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने अलग-अलग इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया है। अब तक 229 परिवारों के 797 लोगों को दूसरी जगह भेजा गया है, जिनमें से 94 परिवारों के 308 लोग अभी भी शेल्टर सेंटर में हैं। शाहपुर, अंबरनाथ, भिवंडी, मुरबाद और ठाणे में बाढ़ और लैंडस्लाइड की आशंका वाले इलाकों से लोगों को सुरक्षित जगहों पर शिफ्ट किया गया है। बारिश से प्राइवेट प्रॉपर्टी को भी बड़ा नुकसान हुआ है और एक पक्का घर पूरी तरह से डैमेज हो गया है, 26 पक्के घरों को थोड़ा और 85 कच्चे घरों को थोड़ा नुकसान हुआ है। भिवंडी में एक कम्युनिटी मंदिर और एक आंगनवाड़ी को भी नुकसान पहुंचा है।

बांधों में लगातार बढ़ रहा पानी

इस बीच, बारवी, भातसा, तानसा और मोदक सागर डैम में भी पानी का स्टोरेज लगातार बढ़ रहा है। हालात को ध्यान में रखते हुए, जिला प्रशासन, जिला आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण, NDRF, पुलिस और लोकल सेल्फ-गवर्नमेंट बॉडीज़ अलर्ट पर हैं और लोगों से अपील की गई है कि वे नदी के किनारे, झरनों, बाढ़ वाले इलाकों और लैंडस्लाइड वाले इलाकों में जाने से बचें और एडमिनिस्ट्रेशन के निर्देशों का पालन करें।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

समझौतों के बाद भी मणिपुर में हिंसा

मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच हिंसा फिर से अपने पांव पसारने लगी है। राज्य में शांति बहाली को लेकर सरकार के तमाम दावों के बावजूद उग्रवादी संगठनों की बढ़ती सक्रियता आग में घी का काम कर रही है।

उखरुल जिले में सोमवार को उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में असम राइफल्स के दो जवानों के शहीद हो जाने की घटना ने समूची सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर सुरक्षाबलों के जवान ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोग अपनी सुरक्षा के लिए किस पर भरोसा करेंगे।

सवाल है कि केंद्र और राज्य सरकारों का विद्रोही गुटों के साथ शांति समझौते के बाद भी अगर उग्रवादी संगठन हिंसक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, तो इसकी वजह पता लगाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या सिर्फ सुरक्षाबलों की अतिरिक्त तैनाती के दम पर राज्य में शांति बहाल हो पाएगी? जाहिर है कि इसके लिए समस्या की जड़ में जाकर समाधान के रास्ते तलाशने होंगे।

गौरतलब है कि मणिपुर में वर्ष 2023 में मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच शुरू हुए जातीय संघर्ष में ढाई सौ से अधिक लोगों की जान गई है और हजारों लोग बेघर हुए हैं। इसके बाद राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने के बावजूद हालात में ठोस सुधार संभव नहीं हो सका।

वहां सरकार के फिर से कमान संभालने के बाद हिंसक गतिविधियां नए सिरे से जोर पकड़ने लगी हैं। राज्य में आए दिन सामुदायिक झड़पों, उग्रवादियों के हमले और विरोध-प्रदर्शन की खबरें आती रहती हैं।

बीते रविवार शाम को भी कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग में एक गांव पर हथियारबंद समूह ने हमला कर दिया था, जिसमें कई लोग घायल हो गए थे। इस तरह की घटनाएं निश्चित रूप से राज्य में सामुदायिक सौहार्द को बिगाड़ने का काम कर रही हैं, लेकिन सवाल है कि सरकार की नीतियां सुरक्षा एवं शांति बहाली के मोर्चे पर कमजोर साबित क्यों हो रही हैं। किसी हिंसक वारदात के बाद पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने और जातीय मतभेदों का स्थायी हल निकालने के लिए सरकार की ओर से गंभीरता क्यों नजर नहीं आ रही है? निस्संदेह, जब तक स्थानीय लोगों को भरोसे में नहीं लिया जाएगा, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है।

विमर्श

मजबूत होती भारत की प्रशांत कूटनीति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इंडोनेशिया के साथ आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं नए सिरे से गठित हो रही हैं, तकनीकी प्रतिस्पर्धा लगातार तेज हो रही है, ऊर्जा व्यवस्था एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है और समुद्री सुरक्षा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। आज भारत ऐसे भरोसेमंद साझेदारों की तलाश में है, जो उसकी आर्थिक प्रगति, तकनीकी क्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने में सहयोगी बन सकें, लेकिन रणनीतिक स्वायत्तता पर कोई प्रभाव न पड़े। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड इस दृष्टि से भारत के स्वाभाविक साझेदार हैं। दोनों लोकतांत्रिक देश हैं, समुद्री शक्ति रखते हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिर, खुली तथा नियम-आधारित व्यवस्था के समर्थक हैं।

पिछले एक दशक में आस्ट्रेलिया भारत के सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारों में शामिल हो चुका है। क्वाड के माध्यम से दोनों देशों के बीच सहयोग लगातार गहरा हुआ है और रक्षा, समुद्री सुरक्षा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर दोनों देशों के सोच में भी व्यापक समानता दिखाई देती है। प्रधानमंत्री मोदी की आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और व्यापक बनाने पर जोर रहने की संभावना है। समुद्री क्षेत्र की निगरानी क्षमता बढ़ाने, नौसेनाओं के बीच

तालमेल मजबूत करने, संयुक्त गश्त, रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग तथा सैन्य क्षमता निर्माण जैसे विषय भी चर्चा के केंद्र में रह सकते हैं।

आस्ट्रेलिया के पास लिथियम, कोबाल्ट और दुर्लभ खनिजों के विशाल भंडार हैं, जिनकी आवश्यकता इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी निर्माण, सेमीकंडक्टर उद्योग और नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार के लिए अनिवार्य है। भारत यदि हरित ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहता है तो इन संसाधनों तक दीर्घकालिक और भरोसेमंद पहुंच सुनिश्चित करना उसकी रणनीतिक आवश्यकता है।

नागरिक परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए यूरेनियम आपूर्ति, हरित हाइड्रोजन और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग भी दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा दे सकता है। दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार 25 अरब डालर से अधिक हो चुका है। भारत-आस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते ने व्यापार को नई गति दी है, जबकि अवसंरचना, खनन, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में आस्ट्रेलियाई निवेश लगातार बढ़ रहा है। अब आवश्यकता व्यापक आर्थिक साझेदारी के माध्यम से निवेश और व्यापार के लिए और अधिक अनुकूल वातावरण तैयार किए जाने की है।

यदि आस्ट्रेलिया भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का सुरक्षा स्तंभ है तो न्यूजीलैंड आर्थिक और तकनीकी सहयोग का नया द्वार खोल सकता है। हाल में संपन्न भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते ने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा दी है। फिलहाल द्विपक्षीय व्यापार लगभग 2.4 अरब डालर है, जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं की क्षमता की तुलना में काफी कम है। भारत विशाल उपभोक्ता बाजार और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, जबकि न्यूजीलैंड कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, वानिकी, जैव प्रौद्योगिकी, शिक्षा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में विशिष्ट विशेषज्ञता रखता है।

जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा जैसी चुनौतियों के बीच न्यूजीलैंड का अनुभव भारत की कृषि को अधिक उत्पादक, टिकाऊ और आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के बीच सहयोग भविष्य की साझेदारी को और मजबूत करेगा। द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते के अंतर्गत न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था में 20 अरब डालर के निवेश का संकल्प भी व्यक्त किया है। भारत के आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के साथ संबंधों की एक ताकत दोनों देशों में बसे भारतीय मूल के लोग हैं। आस्ट्रेलिया में लगभग दस लाख भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जबकि न्यूजीलैंड में भी भारतीय समुदाय तेजी से प्रभावशाली होता जा रहा है।

यदि हरेक व्यक्ति आंतरिक शांति प्राप्त कर ले और दूसरों से दया व करुणा से पेश आने लगे, तो संसार में बाहरी शांति स्थापित होने में देर नहीं लगेगी।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

सवाल सिर्फ चोरी का नहीं, भरोसे का है

राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास में कथित गबन का मामला जब से सामने आया है, तभी से इस बात की जरूरत महसूस की जा रही है कि इसमें शामिल आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई के समांतर एक संपूर्ण पारदर्शी व्यवस्था बननी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की कोई गड़बड़ी संभव न हो सके।

विडंबना यह है कि इस मामले के खुलासे के बाद जहां न्यास के दायरे में जिम्मेदारी तय किए जाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए थी, वहां शुरू से आरोपों की दिशा भ्रमित करने की कोशिश होती रही। अब सोमवार को न्यास की एक अहम बैठक के दौरान इसके महासचिव चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गए और अंतरिम व्यवस्था के तौर पर एक अन्य सदस्य कृष्ण मोहन को महासचिव की अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी गई। निश्चित तौर पर यह कदम विवाद के बीच जिम्मेदारी और आरोपियों के प्रति नरमी बरतने को लेकर उठते गंभीर सवालों की तीव्रता को कम करने की एक कवायद है, लेकिन इस बीच जैसी असहज करने वाली स्थितियां पैदा हुईं, उसने आम लोगों के भरोसे को कमजोर ही किया है। इस संबंध में अब तक सामने आए आरोप-प्रत्यारोपों के बाद स्थिति इतनी उलझ गई है कि जब

तक विशेष जांच दल की अंतिम रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक एक तरह की अस्पष्टता कायम रहेगी।

विडंबना यह है कि न्यास के जिन लोगों पर इसके वित्त की निगरानी, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करने और इसकी संपत्तियों की रक्षा करने का दायित्व था, या तो उनके लिए ये तकाजे गैर-महत्त्वपूर्ण थे या फिर वे ही कठघरे में खड़े दिखे। सवाल है कि आरोपों की अनदेखी करके क्या अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा सकता है! इतने समय तक किसकी देखरेख या संरक्षण में चढ़ावे की चोरी करने वालों का धंधा बेरोक-टोक चलता रहा? क्या यह उन तमाम लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं है, जिनकी आस्था की बुनियाद पर ही न्यास का समूचा कामकाज टिका हुआ है? लोगों के भरोसे को ताक पर रखकर पैसों का गबन करने की हरकत कैसे संभव हुई? अब यह देखने की बात होगी कि इस अनियमितता के वास्तविक आरोपियों को कानून के कठघरे में खड़ा करके सजा दिलाई जाती है या नहीं?

हालांकि न्यास के नए महासचिव का कहना है कि चंदा चोरी के मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे सजा दिलाना उनकी प्राथमिकता होगी। निश्चित रूप से सिर्फ इस्तीफा इस मामले का हल नहीं हो सकता। भ्रष्टाचार कानून के दायरे में एक परिभाषित अपराध है, तो उसके लिए सजा भी निर्धारित है। जांच में जिन लोगों को वास्तव में जिम्मेदार पाया जाएगा, उन्हें कानून के मुताबिक सजा दिलाना इस पूरे मामले की एक अहम कड़ी होनी चाहिए। यों अनियमितता का जैसा स्वरूप सामने आया है, उसके मद्देनजर अब देश भर के लोगों की नजर इस पर रहेगी कि मंदिर में चढ़ावे, खर्च और वित्तीय खातों की निगरानी सहित न्यास के सभी कामकाज के प्रबंधन और संचालन के लिए जो नई व्यवस्था बनाई जाएगी, उसमें संपूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन कमियों को दूर करने के लिए क्या किया जाता है, जिनकी वजह से न्यास के कोष में इतनी व्यापक गड़बड़ी हुई।

राम मंदिर का दर्शन और वहां दान करना करोड़ों लोगों की आस्था का मामला है। मगर इस समूचे मामले की वजह से आम लोगों के भीतर न्यास को लेकर एक तरह का अविश्वास पैदा हुआ है और उसकी छवि को चोट पहुंची है।

जब शादियों में गिफ्ट की जाती थी बिल्लियां !

जरा हट के

आजकल शादियों में गिफ्ट के रूप में गहने, कपड़े, बर्तन या नकद राशि दी जाती है, लेकिन सदियों पहले एक पूरी तरह अलग रिवाज था. स्कैंडिनेविया (आधुनिक डेनमार्क, नॉर्वे और स्वीडेन) के प्राचीन वाइकिंग योद्धाओं की शादियों में बिल्लियां तोहफे के तौर पर दी जाती थी. लोग मानते थे कि बिल्ली गिफ्ट में मिलने से नवविवाहित जोड़े को गुड लक, समृद्धि और खुशहाली मिलती है.

वाइकिंग्स समुद्री योद्धा, व्यापारी और खोजी के रूप में प्रसिद्ध थे. उनकी संस्कृति में बिल्लियों का विशेष महत्व था. नॉर्स पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी फ्रेया (Freyja) प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता और जादू की देवी थी. उनके रथ को दो विशाल बिल्लियां खींचती थीं. इसी वजह से बिल्लियों को पवित्र और शुभ माना जाता था.

बिल्लियां सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं थीं, बल्कि

व्यावहारिक रूप से भी बहुत उपयोगी थीं. वाइकिंग घरों में अनाज के भंडार को चूहों और मूषकों से बचाने के लिए बिल्लियों को रखा जाता था. समुद्री यात्राओं के दौरान जहाजों पर भी बिल्लियां साथ ले जाई जाती थीं ताकि राशन को सुरक्षित रखा जा सके.

प्राचीन स्कैंडिनेवियन लोककथाओं के अनुसार नवविवाहित दंपति को बिल्ली उपहार में देने की परंपरा थी. इसे घर में समृद्धि, प्रजनन क्षमता और घरेलू सुख का आशीर्वाद माना जाता था. माना जाता था कि अगर पत्नी बिल्लियों की देखभाल करेगी तो वह अच्छी गृहिणी साबित होगी. कई पुरुष खासतौर पर ऐसी पत्नी चाहते थे जो बिल्लियों से प्यार करती हो. यही कारण था कि बिल्लियां शादी के तोहफे के रूप में लोकप्रिय थीं.

प्रोज एडा नामक प्राचीन ग्रंथ में वर्णन है कि देवी फ्रेया का रथ दो बड़ी बिल्लियों द्वारा खींचा जाता था. इसलिए बिल्लियों को फ्रेया का प्यारा प्राणी माना जाता था. वाइकिंग समाज में बिल्लियों को मारना या नुकसान पहुंचाना पाप समझा जाता था. उन्हें उच्च स्थान दिया जाता था. आज हम बिल्लियों को पालतू जानवर मानते हैं, लेकिन वाइकिंग काल में वे धार्मिक, सांस्कृतिक और व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण थीं. शादी जैसे पवित्र अवसर पर बिल्ली गिफ्ट करना उनके लिए सामान्य था.

तमिलनाडु की पुलियाधराई

सामग्री

- 1.5 कप चावल
- 1/4 चम्मच हल्दी
- 1 छोटे चम्मच घिसी हुआ गुड़
- स्वादानुसार नमक

इमली के पेस्ट के लिए सामग्री

- 5-6 सूखी लाल मिर्च
- 1 छोटी कटोरी में इमली
- 3/4 कप मेथीदाना
- 1 बड़े चम्मच सूखा धनिया
- 1/2 चम्मच नमक

मसाले के लिए सामग्री

- 2 छोटे चम्मच घिसा हुआ नारियल
- 1 चम्मच सफेद तिल

तड़के के लिए सामग्री

- 3-4 चम्मच तिल का तेल
- 2 सूखी लाल मिर्च
- 1 चम्मच सरसों
- 1/2 छोटे चम्मच हींग
- 1 चम्मच उड़द दाल
- 1 चम्मच चना दाल
- 3-4 कड़ी पत्ता

गार्निश के लिए सामग्री

- 2 चम्मच तिल का तेल
- 1/4 कप मूंगफली

विधि

सबसे पहले कच्चे चावल पानी में भिगोकर एक घंटे के लिए रख दें। इसके बाद चावल को पका लेना है। अब इमली को पानी में डालकर उसमें नमक डालें और 15 मिनट के लिए अलग रख दें। मेथीदाना, सूखा धनिया और सूखी लाल मिर्च को 15 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। पैन में तेल डालें और नारियल को भून लें। ध्यान रहे कि नारियल जलने न पाए। सभी मसाले को एक साथ डालकर मिक्सी में पीस लें। आपका इमली का पेस्ट तैयार है। उसी पैन में तेल गर्म करके मूंगफली भून लें। अब तड़के के सभी मसाले डालकर उन्हें भी भून लेना है। सबसे आखिर में गुड़, नमक, हल्दी और जरूरत अनुसार पानी डालना है ताकि मसाला जल न जाए। जब मसाला पानी सोख लें तो उसमें इमली का पेस्ट डालें। सबसे आखिर में चवाल डालकर उसे अच्छे से मिक्स कर लें। ऊपर से मूंगफली डालकर सर्व करें। आपकी हेल्दी और टेस्टी तमिलनाडु की ट्रेडिशनल डिश पुलियाधराई तैयार है।

क्या रोटी खाने से शरीर में बढ़ता है इंफ्लेमेशन?

- **जानिए 1 महीने तक चपाती न खाने पर शरीर में क्या-क्या होंगे बदलाव**

भारतीय घरों में दशकों से गेहूं की रोटी (चपाती) भोजन का एक मुख्य हिस्सा रही है. पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण इसे सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. लेकिन बदलते दौर के साथ सेहत की दुनिया में एक नया सवाल उठने लगा है कि क्या वाकई गेहूं की रोटी खाने से शरीर में इंफ्लेमेशन और पाचन से जुड़ी समस्याएं बढ़ती हैं? हाल ही में आए हेल्थ ट्रेंड्स और एक्सपर्ट्स के दावों ने इस बहस को और तेज कर दिया है.

कैंसर विशेषज्ञ डॉ. तरंग कृष्ण के अनुसार, आज के समय में मिलने वाला गेहूं अक्सर जेनेटिक मोडिफाई होता है. इसके अलावा, आजकल इसे इसके नेचुरल छिलके के बिना बेचा जाता है, जिससे कई लोगों के लिए इसे पचाना बेहद मुश्किल हो जाता है. गेहूं में पाया जाने वाला ग्लूटेन (Gluten) नाम का प्रोटीन संवेदनशील लोगों में पाचन संबंधी परेशानी, त्वचा की समस्याएं और इंफ्लेमेशन को बढ़ा सकता है.

- **1 महीने तक गेहूं की रोटी न खाने के मुख्य स्वास्थ्य लाभ-**

1. पाचन क्रिया में बड़ा सुधार

अगर आप गैस, एसिडिटी या पेट फूलने की समस्या से परेशान रहते हैं, तो इसका एक बड़ा कारण गेहूं हो सकता है. ग्लूटेन संवेदनशील लोगों के पेट में जाकर इंफ्लेमेशन और अपच पैदा करता है. डॉ. तरंग कृष्ण के मुताबिक, जब आप 21 दिनों या 1 महीने के लिए गेहूं छोड़ते हैं, तो आपके पाचन तंत्र को एक जरूरी ब्रेक मिलता है, जिससे गट

हेल्थ (Gut Health) में तेजी से सुधार होता है.

2. वजन घटाने में मददगार

गेहूं की रोटी कैलोरी और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है. अगर आप गेहूं की चपाती को हटाकर उसकी जगह कम कैलोरी वाले विकल्पों जैसे—बाजरा, ज्वार या रागी की रोटियों को शामिल करते हैं, तो वजन घटाना बेहद आसान हो जाता है. ये मोटे अनाज (Millets) पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर में एक्स्ट्रा फैट जमा नहीं होने देते.

3. ब्लड शुगर पर बेहतर नियंत्रण

गेहूं में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर में जाते ही ग्लूकोज में बदल जाती है और ब्लड शुगर लेवल को अचानक बढ़ा सकती है. डाइट से गेहूं को हटाने पर शुगर स्पाइक कंट्रोल होता है. यह बदलाव विशेष रूप से उन लोगों के लिए बेहद फायदेमंद है जो डायबिटीज (मधुमेह) से पीड़ित हैं या इसके बॉर्डरलाइन पर हैं.

4. एनर्जी लेवल में सुधार और चमकती त्वचा

ग्लूटेन के कारण शरीर का इम्यून सिस्टम कभी-कभी सुस्त पड़ जाता है, जिससे हर वक्त थकान महसूस होती है. जब आप कुछ समय के लिए गेहूं से दूरी बनाते हैं, तो शरीर का एनर्जी लेवल बेहतर होता है. इसके अलावा, शरीर के अंदरूनी इंफ्लेमेशन कम होने के कारण चेहरे पर मुहांसे और त्वचा से जुड़ी अन्य समस्याओं में भी भारी कमी देखी जाती है.

क्या रोटी को हमेशा के लिए छोड़ देना चाहिए?

डॉक्टरों का मानना है कि गेहूं को पूरी तरह से छोड़ना हर किसी के लिए जरूरी नहीं है, लेकिन शरीर को रीसेट करने के लिए 21 से 30 दिनों का यह प्रयोग बेहद कारगर हो सकता है. गेहूं की जगह बाजरा, ज्वार और रागी जैसे विकल्पों को चुनना न सिर्फ शरीर की सूजन को कम करता है, बल्कि आपको अधिक ऊर्जावान और स्वस्थ भी बनाता है.

आज का राशिफल

मेष : कोर्ट-कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। झंझटों में न पड़ें। उधार दिया धन मिलने से राहत हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग उलझे मामले सुलझाने में सहायक हो सकेगा। वाहन सावधानी से चलाएं।

वृषभ : चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कुसंगति से हानि होगी। अपने काम से काम रखें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न करें। आवास संबंधी समस्या हल होगी। आलस्य न करें। सोचे काम समय पर नहीं हो पाएंगे।

मिथुन : राजकीय बाधा दूर होकर लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण रखें। लाभ होगा। रुके हुए काम समय पर पूरे होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार की समस्याओं का समाधान हो सकेगा। व्यापार में नई योजनाएं बनेंगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कर्क : भूमि व भवन संबंधी कार्य लाभ देंगे। रोजगार मिलेगा। शत्रु भय रहेगा। निवेश व नौकरी लाभ देंगे। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य के विस्तार की योजनाएं बनेंगी। रोजगार में उन्नति एवं लाभ की संभावना है। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। लाभदायक समाचार मिलेंगे।

सिंह : रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। आर्थिक अनुकूलता रहेगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। राज्यपक्ष से लाभ के योग हैं।

कन्या : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। शोक समाचार मिल सकता है। थकान महसूस होगी। व्यावसायिक चिंता रहेगी। संतान के व्यवहार से कष्ट होगा। सहयोगी मदद नहीं करेंगे। व्ययों में कटौती करने का प्रयास करें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

तुला : रोमांस में समय बीतेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है। कार्यपद्धति में विश्वसनीयता बनाएं रखें। धनार्जन होगा।

वृश्चिक : अतिथियों का आवागमन रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नई योजनाओं की शुरुआत होगी। संतान की प्रगति संभव है। भूमि व संपत्ति संबंधी कार्य होंगे। पूर्व कर्म फलीभूत होंगे। परिवार में सुखद वातावरण रहेगा। व्यापार में इच्छित लाभ होगा।

धनु : बेरोजगारी दूर होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। जोखिम न लें। क्रोध एवं उत्तेजना पर संयम रखें। सत्कार्य में रुचि बढ़ेगी। प्रियजनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक चिंताएं दूर होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मकर : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्ययवृद्धि होगी। तनाव रहेगा। अपरिचितों पर विश्वास न करें। प्रयास में आलस्य व विलंब नहीं करना चाहिए। रुके हुए काम समय पर होने की संभावना है। विरोधी परास्त होंगे। यात्रा कष्टप्रद हो सकती है। धैर्य एवं संयम बना रहेगा।

कुंभ : दिन प्रेमभरा गुजरेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी न करें। प्रियजनों से पूरी मदद मिलेगी। धन प्राप्ति के योग हैं। स्वयं के सामर्थ्य से ही भाग्योन्नति के अवसर आएंगे। संतान के कार्यों में उन्नति के योग हैं।

मीन : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान-सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावधानी रखें। कार्यक्षमता एवं कार्यकुशलता बढ़ेगी। कर्म के प्रति पूर्ण समर्पण व उत्साह रखें। व्यापार में नई योजनाओं से लाभ होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बारिश के पानी से पैरों में हो रही है खुजली और फंगल इंफेक्शन

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार फंगल इंफेक्शन कई रूपों में नजर आ सकते हैं, जैसे एथलीट्स फुट, स्किन पर फंगल इंफेक्शन, नाखूनों, मुंह और योनि पर होने वाले फंगल इंफेक्शन। कमजोर इम्यून सिस्टम वालों में इसके होने का खतरा अधिक होता है। अगर लंबे समय तक बारिश के पानी में भीगे हुए जूते या पैरों में पसीना आने की वजह से पैरों में फंगल इंफेक्शन की समस्या हो जाती है... तो ये असरदार घरेलू नुस्खे आपको राहत पहुंचा सकते हैं।

- **बेकिंग सोडा-**

बेकिंग सोडा एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है, जो खुजली और इंफेक्शन से राहत देने का काम करता है। बेकिंग सोडा से खुजली दूर करने के लिए एक कप गर्म पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर लगभग 20 मिनट तक पानी में पैरों को डुबोकर रखें। बेकिंग सोडा में मौजूद गुण त्वचा को शांत करके खुजली और इंफेक्शन में राहत देता है।

- **नीम के पत्ते-**

नीम के पत्तों में एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण मौजूद होते हैं, जो संक्रमण को दूर करने में मदद करते हैं। इस उपाय को करने के लिए नीम के पत्तों को उबालकर उसका पानी ठंडा होने के बाद प्रभावित क्षेत्र पर लगा लें। नीम के पत्ते त्वचा को

साफ करके खुजली- इंफेक्शन की समस्या को दूर करने में मदद करते हैं।

- **टी ट्री ऑयल-**

टी ट्री ऑयल में रोगाणुरोधी और सूजन रोधी गुण मौजूद होते हैं, जो खुजली कम करने के साथ इंफेक्शन वाले बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं। इसका उपयोग हमेशा किसी कैरियर ऑयल के साथ मिलाकर करना चाहिए। टी ट्री ऑयल का ये उपाय आजमाने के लिए सबसे पहले नारियल या जैतून के तेल के साथ टी ट्री ऑयल की 5-6 बूंदें अच्छी तरह मिक्स करके प्रभावित जगह पर दिन में दो बार लगाएं।

- **एप्पल साइडर विनेगर-**

एप्पल साइडर विनेगर पैर के संक्रमण और खुजली के लिए एक बढ़िया उपाय है। इस उपाय को करने के लिए एप्पल साइडर विनेगर और पानी की बराबर मात्रा लेकर अपने पैरों को साफ करें। इसके बाद एक टब में विनेगर और पानी का मिश्रण डालकर उसमें पैर 5-20 मिनट के लिए डालकर बैठ जाएं। इसके बाद पैरों को पानी से धोकर अच्छी तरह सुखाएं। दिन में एक बार जरूर करना चाहिए।

3 पौधे लगाने से जीवन में आएंगे कई बदलाव!

- **सही दिशा में लगाना होगा शुभ**
- **जानें वास्तु नियम**

1. सफेद पलाश

यदि आप धन संबंधी परेशानी से जूझ रहे हैं तो आपको यह पौधा जरूर लगाना चाहिए क्योंकि सफेद पलाश को शुभ माना गया है. ऐसा कहा जाता है कि यह फूल धन की देवी माता लक्ष्मी को काफी प्रिय है और इसे अर्पित करने से वे प्रसन्न होती हैं, इसलिए आप इस पौधे को घर में लगाते हैं तो लक्ष्मी आपके घर में हमेशा रहेंगी. ध्यान रहे इस पौधे को लगाने के लिए बड़े गमले का उपयोग करें.

2. बांस के पौधे

इस पौधे को तरक्की का पौधा कहना गलत नहीं होगा क्योंकि यह जैसे-जैसे बड़ा होता है आपकी तरक्की भी बढ़ती जाती है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस पौधे को घर के लॉन या बरामदे में लगाना चाहिए. इसके अलावा आप इस पौधे को पूर्व दिशा में भी लगा सकते हैं. बांस के पौधे को लगाने के बाद आपके जीवन में कई बदलाव देखने को मिलेंगे.

3.तुलसी

इस पौधे के बारे में भला कौन नहीं जानता. लगभग घरों में हमें तुलसी का पौधा देखने को मिल जाता है. इसको लेकर मान्यता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है और उसकी पूजा की जाती है, उस घर में हमेशा मां लक्ष्मी का वास होता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, तुलसी के पौधे को घर की उत्तर या फिर उत्तर-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना गया है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

यूपी में 14 साल पुराने लव मैरिज का खौफनाक अंत, चाकुओं से गोदकर पत्नी की कर दी हत्या

सहारनपुर. यूपी के सहारनपुर जिल में 14 साल पुराने लव मैरिज का खौफनाक अंत हो गया। हारनपुर के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित छुटमलपुर की दलित कॉलोनी में बुधवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया। घरेलू विवाद के चलते मायके में रह रही 35 वर्षीय महिला की उसके पति ने घर में घुसकर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी। वारदात के समय घर के अन्य सदस्य काम पर गए हुए थे, जिससे आरोपी को मौका मिल गया। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गया। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए, जबकि चार बच्चों के सिर से मां का साया उठने से परिवार में कोहराम मच गया।

शिकायत करवाने आई महिला से दरोगा ने किया रेप, जबरन गर्भपात करवाकर पीटा

बरेली. यूपी के बरेली में सिरौली थाने में तैनात दरोगा ने एक महिला से रेप किया। उसका जबरन गर्भपात करवाया और पिर उसके साथ मारपीट की। महिला की शिकायत के बाद अब दरोगा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे सस्पेंड कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि थाने में शिकायत लेकर गई महिला से नजदीकी बढ़ाई और शादी का झांसा देकर रेप किया। आरोप है कि दरोगा ने जबरन गर्भपात कराया और शादी का दबाव बनाने पर मारपीट भी की। शिकायत पर एसएसपी ने दरोगा को सस्पेंड कर विभागीय जांच के निर्देश दिए हैं। बारादरी क्षेत्र की महिला का कहना है कि पति से विवाद के चलते वर्ष 2022 से वह अलग रहती है। वर्ष 2025 में वह अपने पति के खिलाफ कार्रवाई के लिए बारादरी थाने गई, तो वहां तैनात मुरादाबाद के शाहपुर निवासी दरोगा नरेश बाबू ने मदद का आश्वासन देकर उसका मोबाइल नंबर ले लिया। बातों में फंसाकर दरोगा ने उसे नौकरी लगवाने और ससुरालियों पर कार्रवाई कराने का झांसा दिया।

सड़क हादसे में पोते की मौत, सदमा बर्दाश्त न कर सकीं दादी; हार्ट अटैक से गई जान

मुजफ्फरनगर. यूपी के मुजफ्फरनगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां छपार थाना क्षेत्र के बरला गांव में मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पोते की मौत का सदमा उसकी दादी बर्दाश्त नहीं कर सकीं और उन्हें हार्ट अटैक आ गया। मौके पर ही उनकी भी मौत हो गई। एक ही परिवार में दो मौतों से गांव में मातम पसरा हुआ है। मोहल्ला लद्दावाला के रहने वाले दिलशाद के बेटे सुहेल की शादी करीब दो माह पहले हुई थी। मंगलवार रात वह अपनी पत्नी सुहानी को लेने रुड़की के मोहल्ला तेल्लीवाला जा रहा था। रात करीब साढ़े 8 बजे बरला गांव के पास हाईवे पर उसकी बाइक आगे चल रहे लकड़ियों से लदे रेहड़े से टकरा गई। हादसे में सुहेल गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की मदद से उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुणे में इमारत पर कचरे का पहाड़ गिरा, 16 दबे

- सूरत में 19 इंच बारिश
- 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा
- जबलपुर में 5 मंजिला इमारत ढही

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के पुणे में बुधवार को भारी बारिश से कचरे का पहाड़ 3 मंजिला इमारत पर गिर गया। इससे इमारत ढह गई। 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। न्यूज एजेंसी PTI ने बताया कि पुणे के पिंपरी-चिंचवाड़ में कचरे का पहाड़ जैसा ढेर था, यह वहां मौजूद कचरा प्रबंधन की बिल्डिंग पर गिर पड़ा।

इधर, गुजरात के सूरत में 36 घंटे में 11 से 19 इंच तक बारिश हुई। यहां जुलाई 1941 में दर्ज हुई 18 इंच बारिश का 85 साल पुराना रिकॉर्ड टूट गया। शहर में बाढ़ आ गई, शॉपिंग मॉल की एक मंजिल पानी में डूब गई। करंट लगने, पेड़ और बिजली गिरने से 9 लोगों की जान चली गई। 3400 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

जबलपुर में मंगलवार शाम पांच मंजिला इमारत ढह गई। राजस्थान के जालोर में एक जीप नदी में पलट गई। चित्तौड़गढ़ में बिजली गिरने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत हो गई।

दिल्ली-जयपुर हाइवे धंसा

भारी बारिश के चलते दिल्ली-जयपुर NH-48 धंस गया है, जिसके कारण 10 किमी लंबा जाम लगा गया। एक स्कूल बस भी नाले में फंस गई। इधर, गुरुग्राम के कई इलाकों में दो-दो फीट पानी भर गया। पुलिस ने कंपनियों से अगले कुछ दिनों तक कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम (WFH) देने की अपील की है।

अरुणाचल में बाढ़-लैंडस्लाइड

अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश से बाढ़ और लैंडस्लाइड ने 26 जिलों के 94 हजार से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया है। 4 लोगों की मौत हुई है, 21 घायल हैं और 2 महिलाएं लापता हैं।
इधर, कर्नाटक के बेलगावी और शिवमोगा में आज स्कूल और आंगनवाड़ी बंद रहेंगे।

ट्रम्प बोले- ईरान से सीजफायर खत्म

- अब कोई समझौता नहीं करेंगे; अमेरिका ने 80 ठिकानों पर हमले किए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने NATO समिट के दौरान कहा कि ईरान के साथ हुआ सीजफायर समझौता (MoU) अब खत्म हो चुका है और अब वह ईरान से कोई डील नहीं करना चाहते। ट्रम्प ने कहा, हमने पिछली रात ईरान पर जोरदार हमला किया। खतरनाक लोगों को निशाना बनाया। हर बार वे हमला करेंगे, हम जवाब देंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिका का लक्ष्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना है। ट्रम्प ने NATO पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने ₹दुनिया के सबसे बड़े आतंक समर्थक देश ईरान₹ के खिलाफ अमेरिका का साथ नहीं दिया। इससे पहले अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने बताया था कि उसने ईरान के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की है। अमेरिका के मुताबिक, यह कार्रवाई होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई।

ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया

खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ईरान ने होर्मुज में 3 टैंकरों को निशाना बनाया, जिसमें एक टैंकर कतर का था। ईरान ने चेतावनी दी कि हमारी तरफ से तय रुट इस्तेमाल नहीं होने पर सुरक्षा की गारंटी नहीं रहेगी।

कतर ने होर्मुज में ईरानी हमलों की निंदा की

कतर ने होर्मुज में उसके जहाज पर हमले की निंदा करते हुए ईरान को कानूनी रूप से पूरी तरह जिम्मेदार ठहराया। साथ ही कहा कि ईरानी हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

सेंसेक्स 1677 अंक गिरकर 76,504 पर बंद

- अमेरिका-ईरान सीजफायर खत्म होने का असर
- 20 मिनट में ही 1000 अंक टूटा

अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर खत्म होने के ऐलान के बाद बुधवार को सेंसेक्स 20 मिनट में 1000 अंक गिर गया। सुबह सेंसेक्स 364 अंक गिरकर 77816 पर खुला था। दोपहर 1 बजकर 40 मिनट पर यह 580 अंक नीचे 77,600 पर था। 2 बजे तक गिरावट बढ़ गई और यह 76,600 के करीब आ गया। 03:30 बजे ये 1677 अंक या 2.15% गिरकर 76,504 पर बंद हुआ।

निफ्टी 516 अंक या 2.12% गिरकर 23,882 पर बंद हुआ।

उधर सीजफायर खत्म होने से कच्चे तेल की कीमतें भी 6% चढ़कर दोबारा 75 डॉलर के करीब पहुंच गई हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ हुआ समझौता अब खत्म हो चुका है।

गेस्ट हाउस में बदलेगा पूर्व CM केजरीवाल का बंगला

- दिल्ली सरकार जल्द मंजूरी देगी
- मंत्री-अधिकारी ठहरेंगे
- भाजपा ने शीश महल नाम दिया था

नई दिल्ली. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास रहे सिविल लाइंस स्थित फ्लैगस्टाफ रोड के बंगले को राज्य सरकार स्टेट गेस्ट हाउस में बदलने की तैयारी कर रही है। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, इस प्रस्ताव पर सरकार अंतिम फैसला लेने के करीब है।

बंगला नंबर-6 को अन्य राज्य अतिथि गृहों की तरह विकसित किया जाएगा। यहां बाहर से आने वाले मंत्री और सरकारी अधिकारी ठहरेंगे। इसके लिए शुल्क भी लिया जाएगा।

प्रस्ताव में पार्किंग, वेटिंग हॉल और अन्य जरूरी सुविधाएं विकसित करने की योजना है। हालांकि, इस प्रस्ताव को अभी हायर लेवल से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है।

- फिलहाल खाली है बंगला, देखरेख में 10 कर्मचारी लगे

सूत्रों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री का यह आवास फिलहाल खाली पड़ा है। इसके रखरखाव के लिए करीब 10 कर्मचारी तैनात हैं, जो रोजाना साफ-सफाई के साथ रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर समेत अन्य उपकरणों का रखरखाव करते हैं। केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते इस बंगले के नवीनीकरण को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। भाजपा ने इसके महंगे और आलीशान रेनोवेशन को लेकर इसे 'शीशमहल' नाम दिया था।

ममता खो बैठीं आपा!

कोलकाता. तृणमूल कांग्रेस (TMC) सुप्रीमो ममता बनर्जी का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो को लेकर दावा किया जा रहा है कि कोलकाता में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान 'दीदी' ने अपना आपा खो दिया और भीड़ के बीच अपने ही एक पार्टी कार्यकर्ता को सरेराह थप्पड़ जड़ दिया। यह घटना कोलकाता की सड़क पर उस समय हुई जब ममता बनर्जी अपनी पार्टी के एक मार्च और रैली के बाद समर्थकों के बीच से गुजर रही थीं।

मोदी इंडोनेशिया के सबसे बड़े प्रम्बानन हिंदू मंदिर पहुंचे

- बोले- हमेशा शिव से जुड़ने का सौभाग्य मिला
- पीएम ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए

बाली. पीएम मोदी बुधवार को इंडोनेशिया के योग्याकार्ता स्थित देश के सबसे बड़े हिंदू मंदिर प्रम्बानन पहुंचे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो भी उनके साथ गए। दोनों ने मंदिर के संरक्षण-जीर्णोद्धार परियोजना का उद्घाटन किया। पीएम ने मंदिर में दर्शन भी किए।

उन्होंने मंदिर परिसर में अपने संबोधन में कहा- मुझे किसी न किसी रूप में हमेशा भगवान शिव से जुड़ने का मौका मिला है। सोमनाथ, काशी विश्वनाथ, केदारनाथ धाम और उज्जैन के महाकाल मंदिर के बाद प्रम्बानन मंदिर के विकास का मौका मिलना मेरा सौभाग्य है।

पीएम मोदी के इंडोनेशिया से ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के लिए रवाना हो गए हैं। वे 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेंगे। उन्हें पांच इंडोनेशियाई फाइटर जेट ने एस्कॉर्ट किया।

मंदिर एक हजार साल पुराना, दीवारों पर रामायण लिखी

इंडोनेशिया के जावा द्वीप पर योग्याकार्ता के पास स्थित प्रम्बानन मंदिर दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा सबसे बड़ा हिंदू मंदिर है। पहले स्थान पर कंबोडिया का अंगकोर वाट है। प्रम्बानन मंदिर एक हजार साल पुराना है।
इसका परिसर कभी करीब 240 मंदिरों में फैला था। यहां त्रिमूर्ति- भगवान शिव, विष्णु और ब्रह्मा के तीन मुख्य मंदिर हैं। इनमें 47 मीटर ऊंचा शिव मंदिर सबसे बड़ा है। मंदिर की दीवारों पर रामायण और अन्य हिंदू ग्रंथों की कहानियां उकेरी गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर कमांडर जाकिर अहमद ढेर

- पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था

शोपियां. जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का टॉप कमांडर जाकिर अहमद गनी मारा गया। बुधवार को सुरक्षाबलों ने उसका शव बरामद किया। आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिलने के बाद सेना ने शनिवार शाम चनापोरा इलाके में ऑपरेशन शुरू किया था। ऑपरेशन के पांचवें दिन जाकिर गनी का शव बरामद हुआ। एक और आंतकी लतीफ भट के छिपे होने की आशंका है।

जाकिर गनी उन 14 आतंकियों की सूची में शामिल था, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने जारी किया था। यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG), सेना की राष्ट्रीय राइफल्स (RR) और CRPF ने मिलकर चलाया।

आंतकियों के खिलाफ 5 दिन से ऑपरेशन जारी

आतंकियों के छिपे होने की खुफिया सूचना मिलने के बाद चनापोरा इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। ऑपरेशन में सेना की 44 आरआर, 20 आरआर, 34 आरआर, 55 आरआर, 3 पैरा, जम्मू-कश्मीर पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (SOG) और CRPF की 14 व 178 बटालियन शामिल हैं।

बद्रीनाथ मंदिर चढ़ावा विवाद सस्पेंड निजी सचिव पर FIR

- CM बोले- यह मां-बाप की हत्या जैसा महापाप
- जांच के लिए हाई लेवल कमेटी बनी

चमोली. बद्रीनाथ धाम के चढ़ावे में कथित हेरफेर मामले में पहली बड़ी आपराधिक कार्रवाई हुई है। मंदिर अधिकारी युद्धवीर पुष्पवान की तहरीर पर निलंबित निजी सचिव प्रमोद नौटियाल के खिलाफ बद्रीनाथ थाने में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 306 और 316(5) के तहत एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मामले की जांच के लिए हाई लेवल कमेटी गठित की। जिसे 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान सीएम ने कहा- ये गौहत्या जैसा पाप है। जो लोग ऐसे पवित्र स्थानों पर इस प्रकार का कृत्य करते हैं, उनका अपराध वैसा ही है जैसे कोई अपने मां-बाप की हत्या कर दे। यह महापाप है। यह अक्षम्य अपराध है, इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

इस बीच, चढ़ावा विवाद उजागर करने वाले काल भैरव सेना के अध्यक्ष संदीप खत्री को बुधवार को पुलिस ने देहरादून स्थित उनके कार्यालय में करीब ढाई घंटे तक नजरबंद रखा। खत्री मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे। इससे एक दिन पहले भी पुलिस उनके आवास पर तैनात रही थी।

2 जुलाई की CCTV फुटेज सामने आने के बाद चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोप लगे। BKTC के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे से 9:30 बजे के बीच चढ़ावा गणना केंद्र से मंदिर की राशि नियमों के विपरीत निकाले जाने के संकेत मिले।

गोल्डन टेंपल में निक्कर पहने विदेशी कपल को रोका

अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में निक्कर पहन कर माथा टेकने जा रहे विदेशी कपल को सिख ने रोक दिया। महिला और युवक दोनों ने निक्कर पहनी हुई थी। सिख ने उन्हें गेट पर रोका और नियमों के बारे में बताया। सिख ने बताया कि निक्कर पहनकर अंदर जाना मना है।

इस दौरान विदेशी महिला ने टिकट के बारे में भी पूछा, जिस पर उसे बताया गया कि यहां एंट्री पूरी तरह फ्री है। दोनों को पूरे कपड़े पहनकर आने की सलाह दी। नियम समझने के बाद विदेशी महिला ने सहमति जताई। ये वीडियो 4 जुलाई का है। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

गुरुघर की मर्यादा से अवगत कराने के लिए सूचना बोर्ड लगाया गया है। इन पर स्पष्ट लिखा है कि कैप, शॉर्ट पैंट (निक्कर), कैप्री, मोजे और मिनी स्कर्ट पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं है। श्रद्धालुओं से सिर ढकने और पूरे कपड़े पहनकर ही गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश करने की अपील की गई है।

भारत की टी-20 में सबसे बड़ी हार

- टीम ने अपना दूसरा लोएस्ट स्कोर भी बनाया
- धोनी बर्थडे पर मैच देखने पहुंचे
- वैभव फिर फ्लॉप

इंग्लैंड ने तीसरे टी-20 मैच में भारत को 125 रन से हरा दिया। यह टी-20 में भारत की सबसे बड़ी हार है। टीम 76 रनों पर ऑलआउट हुई। इस फॉर्मेट में भारत का यह दूसरा लोएस्ट टोटल है।

नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज पर हुए मुकाबले को देखने के लिए बर्थडे बॉय एमएस धोनी भी स्टेडियम पहुंचे। वहीं वैभव सूर्यवंशी लगातार दूसरे मैच में फ्लॉप रहे। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने 13 रन पर आउट किया।

भारतीय को रनों के लिहाज से अपनी सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। ट्रेंट ब्रिज में भारत 125 रन से हार गई। टीम को रनों के लिहाज से 2019 में सबसे बड़ी हार मिली थी। तब न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन में भारत को 80 रनों से हराया था।

भारतीय टीम अपने दूसरे सबसे कम स्कोर पर ऑलआउट हुई। भारतीय टीम 76 रन बनाकर ऑलआउट हुई। यह टी-20 में भारत का दूसरा सबसे कम स्कोर है। टीम का टी-20 में सबसे लोएस्ट स्कोर 74 रन है। यह उन्होंने 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में बनाया था।

भारत के लिए यह लगातार पांचवा मैच है, जब उसे जीत नहीं मिली। यह बिना जीते टीम के लिए सबसे बड़ी स्ट्रीक है। इससे पहले टीम का खराब सिलसिला 4 मैचों का था।

इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ चौथी बार 200+ का स्कोर बनाया है। इंग्लैंड ने ट्रेंट ब्रिज के मैदान पर 7 विकेट पर 201 रन बनाए। यह भारत के खिलाफ उसका तीसरा सबसे बड़ा स्कोर भी है। उन्होंने इसी साल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। उन्होंने 20 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन बनाए थे।

श्रेयस अय्यर ने लगातार पांचवा टॉस जीता। वे टी-20 में सबसे ज्यादा टॉस जीतने वाले भारतीय कप्तानों में रोहित की बराबरी की। भारत के लिए टी-20 में लगातार सबसे ज्यादा टॉस जीतने का रिकॉर्ड धोनी के नाम है। उन्होंने 2010 से 2012 के बीच लगातार 7 टॉस जीते थे।

बंगाल में बच्ची से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

- पुलिस बोली- राइफल छीनकर भाग रहा था;
- तालाब से मिला था नाबालिग का शव

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में नाबालिग से रेप और मर्डर का एक आरोपी प्रभास मंडल पुलिस एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पूछताछ के दौरान पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहा था।

न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार,

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्राइम सीन रीक्रिएशन के दौरान प्रभास मंडल ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली। इसके बाद पुलिस और आरोपी के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें प्रभास को गोली लगी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बारुईपुर में 12 साल की लड़की 4 जुलाई को लापता हो गई थी। 5 जुलाई को उसका शव एक तालाब से मिला। पोस्टमॉर्टम में रेप की पुष्टि हुई, जिसके बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने रेप-मर्डर के आरोप में प्रभास सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया था। दूसरा आरोपी आनंद सरदार है।

- आरोपियों ने बच्ची को जिंदा तालाब में फेंका था

पुलिस ने इलाके के CCTV फुटेज की जांच भी की, जिसमें चार लोग लड़की को अपने साथ ले जाते हुए दिखाई दिए थे। पुलिस ने बताया कि शुरुआती पोस्टमॉर्टम में लड़की के सिर और प्राइवेट पार्ट्स पर चोट के निशान मिले।

लड़की के सिर पर या तो किसी भारी चीज से वार किया गया था या उसे किसी सख्त सतह पर पटका गया था। शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर खरोंच और काटने के निशान थे। उसके फेफड़ों और पेट में पानी मिला। आरोपियों ने उसे जिंदा ही तालाब में फेंक दिया था। डूबने और ज्यादा खून बहने के कारण उसकी मौत हो गई।

मां ने ढुकराया शव, बोली- उसने जो किया, उसकी सजा मिली

प्रभास मंडल की मुठभेड़ में मौत के बाद उसकी मां संध्या मंडल ने शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- उसने जो किया, उसकी सजा उसे मिल गई। मैं उसका चेहरा भी नहीं देखना चाहती और परिवार का कोई सदस्य भी शव लेने नहीं जाएगा। संध्या मंडल ने यह भी आरोप लगाया कि उनका बेटा लंबे समय से नशे का आदी था और कभी उनकी बात नहीं मानता था।

गैंगस्टर लॉरेंस पर अमेरिका में हत्या का केस

- चार्जशीट दायर
- गोल्डी बराड़ पर 50 हजार डॉलर इनाम;

कनाडा में खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर अमेरिका ने पहली बार चार्जशीट दाखिल की है। इसमें दावा है कि हत्या का आदेश भारतीय जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई और फरार चल रहे गोल्डी बराड़ ने दिया था।

अमेरिकी सरकार के मुताबिक, लॉरेंस बिश्नोई भारतीय जेल में रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय अपराध नेटवर्क चला रहा था। वह जेल में तस्करी से पहुंचाए गए मोबाइल फोन और इंटरनेट कॉलिंग डिवाइस के जरिए हत्या, रंगदारी, अपहरण, ड्रग्स और मानव तस्करी जैसी गतिविधियों का निर्देश देता था।

अमेरिका लॉरेंस समेत कई

भारतीय अपराधियों के नेटवर्क पर कार्रवाई करने के लिए ऑपरेशन हार्ड बॉल चला रहा है। इसी के तहत 24 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 37 लोगों के खिलाफ अमेरिकी फेडरल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई। रिपोर्ट में भारतीय जेल में बंद जग्गू भगवानपुरिया, सुखराज सिंह कंग समेत कई नाम हैं। अमेरिकी एजेंसियां 10 फरार आरोपियों की तलाश कर रही हैं। इसके साथ ही गोल्डी बराड़ पर 50 लाख का इनाम रखा है। न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक अमेरिका इनमें से भारतीय जेल में बंद सभी अपराधियों के प्रत्यर्पण की मांग कर सकता है।

आरोप सिर्फ अपराधियों पर, सरकार का जिक्र नहीं

पूरे अमेरिकी आरोप पत्र और प्रेस रिलीज में भारत सरकार, RAW, NIA या किसी भारतीय सरकारी अधिकारी पर कोई आरोप नहीं लगाया गया है। आरोप केवल कथित आपराधिक गिरोहों और उनके सदस्यों पर हैं।

संक्षेप...

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख की ठगी

ठाणे. शहर के कापुरबावड़ी पुलिस थाना क्षेत्र की रहने वाली 37 वर्षीय एक महिला को सरकारी नौकरी दिलाने का वादा कर उससे 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है.पीड़ित महिला की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. कापूरबावड़ी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे शहर के माजीवाड़ा इलाके की रहने वाली शिकायतकर्ता को कथित तौर पर पिछले साल 25 जून से 25 दिसंबर के बीच ठगा गया. पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सतीश वानखेड़े, राजगुरु साहेब और कांबले (जिसका पूरा नाम नहीं बताया गया है) के रूप में हुई है. आरोप है कि उन्होंने महिला से संपर्क कर दावा किया कि वानखेड़े एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी हैं और वह उसे सरकारी नौकरी दिला सकते हैं. अधिकारी ने प्राथमिकी का हवाला देते हुए बताया कि उन्होंने महिला से 10 लाख रुपये लिए और उसे आश्वासन दिया कि उसे सरकारी नौकरी मिल जाएगी. लेकिन बार-बार संपर्क करने के बावजूद, महिला को न तो वादे के मुताबिक नौकरी मिली और न ही उसे उसके पैसे वापस मिले. इसके बाद उसने पुलिस से संपर्क किया.

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आपदा प्रबंधन कक्ष का किया दौरा

अनुपस्थित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई

- एक अधिकारी का तबादला और एक अधिकारी को निलंबन नोटिस

ठाणे. राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने आज ठाणे मनपा के आपदा प्रबंधन का दौरा किया और शहर की स्थिति की समीक्षा की।साथ ही उन्होंने आपदा के दौरान काम से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस पृष्ठभूमि पर ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव ने तुरंत एक अधिकारी का तबादला किया और एक अधिकारी को निलंबन नोटिस जारी किया।

इस अवसर पर महापौर शर्मिला पिंपलोलकर, उपमहापौर कृष्णा पाटिल, सदन के नेता हनुमंत जगदाले,जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, अतिरिक्त आयुक्त 1 संदीप मालवी, अतिरिक्त आयुक्त 2 प्रशांत रोडे, उपायुक्त जी.जी. गोदापुरे, मधुकर बोडके, उपनगर अभियंता शुभांगी केसवानी, आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी, उद्यान अधीक्षक केदार पाटिल, शिवसेना समूह नेता पवन कदम, नगरसेवक राम रेपाले, रमाकांत माढ़वी, राजेश मोरे, विकास रेपाले, नगरसेविका नम्रता भोसले आदि उपस्थित थे।

80 से 90 किमी प्रति घंटे से तेज हवा चलने और भारी वर्षा के कारण शहर में पेड़ और शाखाएँ गिर गई हैं। इस पृष्ठभूमि में, उपमुख्यमंत्री ने आपातकालीन कक्ष का दौरा किया। इस दौरे में, उन्होंने आयुक्त को तुरंत सभी पेड़ों का वैज्ञानिक ऑडिट करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित पेड़ों की अंतिम छंटाई कब की गई थी, पेड़ों की स्थिति क्या थी और उनके गिरने के कारण क्या थे, इसका गहन अध्ययन करने के निर्देश भी दिए।शहर में गिरे हुए पेड़ों की शाखाओं को तुरंत हटाने के लिए मनपा के पास उपलब्ध हाइड्रा, लिफ्टिंग मशीन और अन्य मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने आयुक्त को आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त मशीनें किराए पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने मैनपावर की कमी होने पर आउटसोर्सिंग के माध्यम से तत्काल अतिरिक्त कर्मचारी उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

- काम में आलस बर्दाश्त नहीं

यह कहा गया कि संबंधित अधिकारियों, ट्री अथॉरिटी डिपार्टमेंट,आपदा प्रबंधन के साथ-साथ दूसरी संबंधित एजेंसियों के काम की जांच की जाएगी, साथ ही चेतावनी दी गई कि मानसून के मौसम में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह भी साफ किया गया कि अच्छा काम करने वाले अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा, जबकि लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पेड़ों का वैज्ञानिक तरीके से ऑडिट करें

साथ ही भविष्य में पेड़ गिरने की घटनाओं को रोकने के लिए शहर के सभी पेड़ों का वैज्ञानिक ऑडिट करने और इस प्रक्रिया में वृक्ष विशेषज्ञों, बागवानी के क्षेत्र के विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य विशेषज्ञों को शामिल करने के निर्देश दिए। यह व्यक्त किया गया कि कई स्थानों पर सड़कों के डामरीकरण या अन्य विकास कार्यों के कारण पेड़ों की जड़ों तक हवा और पानी पहुंचने की संभावना नही बन रही है। चूंकि इससे पेड़ों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और आंधी-तूफान में उनके गिरने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इन मामलों का अध्ययन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने प्रशासन को और अधिक सतर्क रहने के निर्देश देते हुए उन्हें आवश्यक अतिरिक्त मैनपावर, मशीनरी और वित्तीय प्रावधान तत्काल उपलब्ध कराने को कहा। साथ ही, न केवल आपदा प्रबंधन विभाग बल्कि आवश्यकतानुसार अन्य विभागों के अधिकारियों को भी आपदा प्रबंधन कार्य में शामिल करने के निर्देश दिए हैं।इस अवसर पर उन्होंने शहर के निचले इलाकों का जायजा लिया जहां पानी जमा हो जाता है। ठाणे शहर के निचले इलाकों में 84 जगहों पर पंप लगाए गए हैं और उन पंपों का कंट्रोल और मॉनिटरिंग आपदा प्रबंधन सेल से लगातार की जा रही है। उन्होंने बताया कि ज़रूरत पड़ने पर तुरंत पंप चालू करने से बड़े पैमाने पर पानी निकालने में मदद मिली है।

घायल हुए लोगों की हर मुमकिन मदद करें

ठाणे शहर में पेड़ गिरने से घायल हुए नागरिकों को तुरंत इलाज के लिए सभी ज़रूरी मदद देने का आयुक्त को निर्देश दिया। नागरिकों की जान का नुकसान न हो, इसे सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दें, प्रॉपर्टी के नुकसान की भरपाई की जा सकती है, लेकिन अगर किसी की जान चली जाए तो परिवार के दुख की भरपाई नहीं की जा सकती। इसलिए, प्रशासन को ज़्यादा सावधानी बरतनी चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि ठाणे में किसी नागरिक की जान न जाए यह उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा। भारी बारिश और तूफान का खतरा अभी भी बना हुआ है, इसलिए मनपा प्रशासन, आपदा प्रबंधन प्रणाली और सभी संबंधित विभागों से अपील की गई कि वे 24 घंटे अलर्ट रहें और नागरिकों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दें।

टैंकर पलटने से रिक्शा चालक व यात्री की मौत

दूसरा यात्री गंभीर रूप से जख्मी

ठाणे. शहर स्थित घोडबंदर रोड पर आज दोपहर 12:45 बजे D मार्ट आनंदनगर के सामने एक गैस टैंकर रिक्शा पर पलट गया।रिक्शा में रिक्शा चालक और दो पैसेंजर सवार थे। रिक्शा चालक और एक पैसेंजर की जगह पर मौत हो गई है और एक पैसेंजर गंभीर रूप से जख्मी है।मृतक रिक्शा चालक दशरथ राणाजी पवार निवासी- 288 जय भीम नगर मुंबई पुणे रोड जंभी नगर कलवा। पैसेंजर मोहम्मद अमीन

निवासी मोहम्मद फशी अली मज्जित के पास, सरलगंज उत्तर प्रदेश का रहिवासी है। साथ ही घायल अमजीत अंसारी को उपचार के लिए वेदांत अस्पताल ओवला ले जाया गया है।पुलिस और ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने क्रेन की मदद से टैंकर को सीधा कर दिया।ट्रैफिक सुचारू रूप से चल रहा है।पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही हैं।

पेड़ गिरने से 25 वर्षीय युवती गंभीर रूप से जख्मी

ठाणे. मंगलवार को ठाणे में हुई भारी बारिश ने ठाणेवासियों को झकझोर दिया। बारिश और तेज हवा के कारण पेड़ गिरने से हुईं दुर्घटनाएं। इनमें वागले एस्टेट इलाके में रहने वाली 25 वर्षीय एक युवती पेड़ गिरने से गंभीर रूप से जख्मी हो गई। ठाणे आपदा प्रबंधन विभाग ने शाम 6:30 बजे तक ठाणे में 61.94 मिमी बारिश दर्ज की है। पेड़ गिरने और जलभराव की घटनाएं सामने आई हैं।

पिछले 24 घंटों में ठाणे में 111.91 मिमी बारिश दर्ज की गई है। अब तक ठाणे में कुल 1331.17 मिमी बारिश हो चुकी है। 7 जुलाई 2005 को ठाणे में 1038.99 मिमी बारिश हुई थी। ठाणे आपदा प्रबंधन विभाग ने बताया कि इस वर्ष बारिश देर से शुरू होने के बावजूद पिछले वर्ष की तुलना में अधिक बारिश हुई है।

पडघा गणेशनगर में घरों में पानी घुसा

- बाढ़ के हालात को देखते हुए प्रशासन अलर्ट

भिवंडी. ठाणे जिले में पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश की वजह से आम ज़िंदगी पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गई है और कई नदियों, नालों और झरनों में बाढ़ आ गई है। ग्रामीण इलाकों के कई गांवों का संपर्क टूट गया है और कई पुल पानी में डूब गए हैं, जिससे लोगों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसी बीच, भिवंडी तालुका के पडघा ग्राम पंचायत की सीमा के तहत गणेशनगर इलाके में भी बाढ़ के हालात बन गए हैं और कई घरों में बारिश का पानी घुसने से लोगों को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

गणेशनगर इलाके में पानी का लेवल तेज़ी से बढ़ने की वजह से कई परिवार अपने घरों में फंस गए हैं। हालात की गंभीरता का पता चलते ही पडघा पुलिस, पडघा ग्राम पंचायत, रेवेन्यू डिपार्टमेंट और सोशल वर्कर तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव का काम शुरू किया। बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दूसरे लोगों को बाढ़ के पानी में घुसकर

सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। एडमिनिस्ट्रेशन के समय पर दखल की वजह से बड़ी जान का नुकसान टल गया।

पडघा पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर पंकज गिरी ने रेस्क्यू ऑपरेशन में खास पहल की। उन्होंने एक छोटे बच्चे को कंधे पर उठाकर बाढ़ के पानी से सुरक्षित बाहर निकाला, साथ ही कई सीनियर सिटिजन को भी अपनी देखरेख में सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। उनके इस बहादुरी भरे काम की लोग तारीफ कर रहे हैं। बाढ़ के हालात और खराब होने की संभावना को देखते हुए, एडमिनिस्ट्रेशन ने गणेशनगर इलाके के करीब 100 लोगों को, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, सुरक्षा कारणों से पडघा में टोरेंट पावर ऑफिस की बिल्डिंग में सुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर दिया। एडमिनिस्ट्रेशन वहां के लोगों को ज़रूरी सुविधाएं देने का काम कर रहा है। हालांकि, घरों में पानी घुसने से कई परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घर का सामान, अनाज, कपड़े, फर्नीचर और दूसरी ज़रूरी चीज़ें पानी में भीगकर खराब हो गई हैं, जिससे लोगों के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी हो गई है। लोग मांग कर रहे हैं कि बाढ़ कम होने के बाद प्रभावित लोगों को तुरंत मदद दी जाए। इस बीच, मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भारी बारिश का अनुमान लगाया है, इसलिए एडमिनिस्ट्रेशन ने अलर्ट जारी कर दिया है।

मधुमेह पीड़ित पुलिसकर्मियों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच

ठाणे. ठाणे पुलिस आयुक्त के अंतर्गत मधुमेह से पीड़ित पुलिस अधिकारियों की आंखों की विशेष देखभाल के लिए एक निःशुल्क आखों की जांच के शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस ने बताया कि इस शिविर से 54 पुलिसकर्मियों ने लाभ उठाया और उनमें से नौ मधुमेह से पीड़ित पाए गए।पुलिसकर्मियों के लिए आयोजित आखों की जांच शिविर में वरिष्ठ आँख शल्यचिकित्सक और रेटिना विशेषज्ञ डॉ. काज़ी ने मरीजों की जांच की। दैनिक कार्यों में व्यस्त रहने के कारण पुलिसकर्मी अपने शरीर और स्वास्थ्य पर उचित ध्यान नहीं दे पाते हैं। मधुमेह के रोगियों के लिए आंखों का

उचित उपचार न कराने से वे स्थायी रूप से अंधे भी हो सकते हैं। इसलिए, यह शिविर डॉ. माधव वाघमारे चिकित्सा अधिकारी, पुलिस अस्पताल और पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। इस शिविर में रक्त शर्करा, दृष्टि, ग्लूकोमा, मोतियाबिंद और रेटिनोपैथी की जांच की गई। दिन भर भारी बारिश के बावजूद, 54 मरीजों ने इसका लाभ उठाया। विभिन्न आखों के रोगों से पीड़ित कुल 9 मरीज पाए गए। इस शिविर को सफल बनाने में अब्बास दमानिया ने विशेषज्ञों के साथ समन्वय किया और शीतल नानकर, रमेश जाधव, खुशाल सुखदारे, रिया उतेकर, पूजा पवार और सायली ने सहयोग किया। डॉ. माधव वाघमारे ने डॉ. शाहनवाज काजी और उनकी टीम का आभार व्यक्त किया।

फिल्म 'मिमी' के समय कृति सेनन ने एग्स फ्रीज कराए

- बोलीं- शादी या बच्चे अपनी मर्जी से होने चाहिए
- मां बनने का कोई दबाव नहीं चाहती

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपनी फिल्म 'मिमी' की तैयारी के दौरान अपने एग्स फ्रीज कराए थे। 'ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे' को दिए एक इंटरव्यू में कृति ने बताया कि इस फिल्म के रोल के लिए उन्हें वजन बढ़ाना था।

चूंकि एग फ्रीजिंग की प्रक्रिया में शरीर में भारीपन आता है, इसलिए उन्होंने इस समय का समझदारी से इस्तेमाल किया। 35 साल की कृति ने कहा कि वे बायोलॉजिकल क्लॉक या किसी तरह के सामाजिक दबाव के कारण शादी या बच्चे का फैसला नहीं करना चाहती हैं।

वजन बढ़ाने के समय को किया इस्तेमाल

कृति सेनन ने बताया कि फिल्म 'मिमी' के लिए उन्हें एक बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करना था। उन्हें अपने किरदार के लिए काफी वजन बढ़ाना था। इसी दौरान उन्होंने एग फ्रीजिंग कराने का फैसला किया। कृति के मुताबिक, उन्हें किसी ने सलाह दी थी कि अगर आप ऐसा कर सकती हैं, तो यह खुद को दिया जाने वाला सबसे अच्छा तोहफा है। यह बात उनके दिमाग में बैठ गई थी और जब उन्हें फिल्म के लिए वजन बढ़ाने को कहा गया, तो उन्हें लगा कि यह एग फ्रीजिंग कराने का सबसे सही समय है।

शादी और बच्चों के लिए नहीं चाहतीं कोई दबाव

एग फ्रीजिंग कराने की वजह बताते हुए कृति ने कहा कि वे भविष्य में मां बनने के समय को लेकर किसी तरह के दबाव में नहीं रहना चाहती हैं। वे कभी भी इस बात से बंधना नहीं चाहतीं कि उन्हें उम्र के कारण अभी शादी करनी है या अभी बच्चे पैदा करने हैं। कृति ने कहा कि शादी या बच्चे का फैसला इंसान को तब करना चाहिए जब वह अंदर से इसके लिए पूरी तरह तैयार महसूस करे। यह फैसला किसी घड़ी की सुई या दबाव को देखकर नहीं होना चाहिए।

भिवंडी ग्रामीण क्षेत्र के 8 अवैध स्कूलों की सूची जारी

भिवंडी. पंचायत समिति के शिक्षा विभाग ने ग्रामीण क्षेत्र में बिना सरकारी मंजूरी के संचालित आठ अनधिकृत प्राथमिक विद्यालयों की सूची जारी की है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन स्कूलों को आवश्यक मान्यता प्राप्त नहीं है, फिर भी इनका संचालन जारी है। अभिभावकों से अपील की गई है कि वे इन विद्यालयों में अपने बच्चों का प्रवेश न कराएं।

गट शिक्षा अधिकारी डॉ. विनाल पोतेकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संबंधित विद्यालयों ने शासन द्वारा निर्धारित दंड राशि भी जमा नहीं की है। इसलिए उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई है। इन स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का समायोजन अन्य मान्यता प्राप्त विद्यालयों में किया जाएगा।

सूची में लियो हाईस्कूल (काल्हेर), नेशनल इंग्लिश स्कूल (दापोडे), श्री चैतन्य टेक्नो स्कूल (सोनाळे), पाठशाला कोचिंग क्लास (मिठपाडा), अग्निमाता इंग्लिश स्कूल (पिंपळास), मिन्हाज नेशनल इंग्लिश स्कूल (गोरसई), सुग्रा बीबी स्कूल (तळवली) तथा द विनर्स इंग्लिश स्कूल (कांबे) शामिल हैं।

शिवसेना उबाठा की तरफ से छाता वितरण

- निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भिवंडी. शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भिवंडी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और छाता वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शिवसेना प्रमुख बालासाहेब ठाकरे सभागार, शिवसेना शहर जिला शाखा परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें करीब 200 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लेकर स्वास्थ्य जांच का लाभ उठाया। शिविर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए मधुमेह (डायबिटीज) जांच, क्षयरोग (टीबी) की जांच, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, छाती का एक्स-रे सहित विभिन्न चिकित्सा सेवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई गईं। इसके अलावा जरूरतमंद लोगों को

दवाइयों का मुफ्त वितरण किया गया। मानसून को ध्यान में रखते हुए सभी वरिष्ठ नागरिकों को छाते भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिला सह-संपर्क प्रमुख मनोज गगे, पूर्व शहर प्रमुख मोहन वल्लाल, जिला संगठिका वैशाली मेस्त्री, जिला सचिव राजाभाऊ पुण्यार्थी, पूर्व महानगर प्रमुख अरुण पाटील, पश्चिम विभाग सचिव नितेश दांडेकर और उप शहर प्रमुख गणेश मोरे सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने समाज हित के ऐसे सेवा कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखने का आह्वान किया। शिविर में शामिल वरिष्ठ नागरिकों ने शिवसेना द्वारा आयोजित इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले चिकित्सकों का सम्मान किया गया।

इस आयोजन को सफल बनाने में कल्पना पुजारी, अनुष्का शर्मा, इस्माईल तोडगे, मीरा भानुशाली, वर्षा पाटील, नरेश शिवदे, बालाजी गुळवी, मधुकर जाधव, व्यंकटेश कर्ली, एडवोकेट रोजीना मोमीन, शंकर खामकर, पुरुषोत्तम वेमुल, नौशेबा अंसारी, सरिता मांजरेकर, नजीर शेख (पप्पन), मुजम्मील खान, वसीम कुरैशी, शफीक अंसारी, सुधीर नांदुरडीकर, अजय तेजे, मयूर कदम, सुयोग पैसास, मामा पुण्यार्थी, शरद पांडव, महेश पाटील, विजय कुंभार, वंदना मेस्त्री और दीपक वाघ सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने विशेष योगदान दिया।

आरक्षण बचाव समिति ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

कल्याण. आरक्षण बचाव समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कल्याण (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुलभा गायकवाड़ से उनके कार्यालय में मुलाकात कर अनुसूचित जाति आरक्षण के उपवर्गीकरण (सब-कैटेगरीकरण) के विरोध में ज्ञापन सौंपा।

समिति के अध्यक्ष प्रो. विलास शेजुल ने बताया कि 'ऑपरेशन ब्लू पैंथर' अभियान के तहत महाराष्ट्र के सभी 288 विधानसभा सदस्यों को ज्ञापन सौंपा जाएगा और इस अभियान की शुरुआत कल्याण से की गई है।

प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को दिए ज्ञापन में कहा कि अनुसूचित जाति आरक्षण का उपवर्गीकरण किए जाने से समाज में विभिन्न जातियों के बीच वैमनस्य बढ़ने की आशंका है। इससे संविधान में निहित सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। समिति ने विधायक सुलभा गायकवाड़ से महाराष्ट्र सरकार के समक्ष अनुसूचित जाति आरक्षण के उपवर्गीकरण को निरस्त करने की मांग को मजबूती से उठाने और इस संबंध में सरकार पर आवश्यक पहल करने का आग्रह किया।

विधायक सुलभा गायकवाड़ ने प्रतिनिधिमंडल का ज्ञापन स्वीकार करते हुए उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का सकारात्मक आश्वासन दिया। इस दौरान आरक्षण बचाव समिति के पदाधिकारी तथा अनुसूचित जाति समाज के विभिन्न प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नाले में बहे युवक का शव मिला

मुंबई. मालाड पूर्व स्थित कुरार के खेतवाड़ी नाले में 6 जुलाई को बह गए 26 वर्षीय युवक योगेश शिवकुमार वर्मा का शव गोरेगांव के बांगुर नगर क्षेत्र के नाले से बरामद कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि इस मामले को महाराष्ट्र विधानसभा में यूबीटी शिवसेना विधायक सुनील प्रभु द्वारा उठाए जाने के बाद प्रशासन ने सर्च ऑपरेशन में तेजी दिखाई। इसके बाद बुधवार को योगेश का शव बरामद हुआ। मृतक के परिजनों का कहना है कि यदि घटना के तुरंत बाद व्यापक स्तर पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया होता, तो संभव है कि योगेश की जान बचाई जा सकती थी।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती सुनिता अजयकुमार चौधरी ने ग्रीनलैंड अपार्टमेंट, फ्लैट नं. 205, दूसरा माला, बैरक नं. 40, रुम नं. 235 से 238, गोल मैदान, उल्हासनगर- 421001. लाइट मीटर नं. 0215110020006 (टैक्स नं. 12बीआय017972600)। श्री अजयकुमार सुदामालाल चौधरी जिनका निधन 9.7.2024 को हुआ उनके वारिसदास बेटी श्री राहुल अजयकुमार चौधरी व बेटी श्रीमती पूजा अजय चौधरी तथा पत्नी श्रीमती सुनिता अजयकुमार चौधरी है। इस प्रापर्टी को रिलीज डिड के तहत मेरी मुवक्किल श्रीमती सुनिता अजयकुमार चौधरी के नाम पर किया जा रहा है।

अगर उपरोक्त प्रॉपर्टी के बारे में किसी हिस्से के लिए किसी भी व्यक्ति को मोरोसी हक, वास्ता जैसे कि बिक्री नामा, गिरवी नामा, बक्षीस नामा, वसीयत नामा व कब्जा इत्यादि अथवा किसी भी कोर्ट केस या संस्था/बैंक को देना ऐसी किसी किस्म की आपत्ति (ऐतराज) हो तो वह लेखी में पूरे सबूतों के साथ इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पत्ते पर अपनी आपत्ति सबूतों के साथ समय पर भेजे। अन्यथा दूसरी हालत में आम सूचना के समय पूरे होने के बाद उपरोक्त प्रॉपर्टी का सौदा कर पूरा कर दिया जाएगा उसके बाद कोई भी आपत्ति या दावा सुना नहीं जाएगा।

सही/-
एड. पिंकी बुधवानी
शॉप नं. 2, लासी हॉल के पास, हेमराज डेयरी रोड,
उल्हासनगर-421001. मो. 7057805281

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099